S. S. College, Jehanabad
Class – B.A. Part II (Hons.)
Subject – Psychology Paper – IV
(Systems of Psychology)
Teacher's Name – Dr Viveka Nand Sharma
Date – 17-02-2021

Topic – Structuralism

Contribution of Wilhem Wundt.

मनोविज्ञान के विकास में किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि अनेक व्यक्तियों का योगदान रहा है। जब कुछ व्यक्तियों की विचारधारा एक समान होती है तो उनकी ऐसी समान विचारधाराओं को एक नाम में सम्प्रदाय (School) कहते हैं। सामान्यतः प्राणी के व्यवहार की व्याख्या दो प्रकार से की जा सकती है – एक तो उसकी संरचना के अनुसार और दूसरी उसके प्रकार्य (Function) के अनुसार। मनोविज्ञान के क्षेत्र में व्यवहार की व्याख्या के दोनों ही प्रकार अपनाये जाते हैं। संरचना के अनुसार प्राणी के व्यवहार की व्याख्या करने वाले को संरचनावादी कहते हैं तथा प्रकार्य के आधार पर प्राणी के व्यवहार की व्याख्या करने वाले को प्रकार्यवादी कहते हैं। Wundt और Titchner की विचारधारा ही वह आधार मिला है जिस पर संरचनावाद का सिद्धान्त टिकी नजर निर्मित है और इन दोनों के विचारधाराओं के आधार पर ही संरचनावाद के सिद्धान्त का वर्णन किया जाता है।

Wilhem Wundt (1830-1920) को प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के संस्थापक के रूप में जाना जाता है। Wundt ही पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने विश्व में मनोविज्ञान की प्रथम प्रयोगशाला की स्थापना की। Wundt ही ऐसे प्रथम व्यक्ति हैं जिन्होंने अपने जीवन के [illegible] एक आंदोलन के [illegible] दर्शनशास्त्र से अलग प्रयोगात्मक मनोविज्ञान

SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA

की ओर आकर्षित किया इसलिए Wundt को प्रयोगात्मक मनोविज्ञान का जनक (father) कहा जाता है। Wundt का जन्म 1832 ई० में जर्मनी में हुआ था। प्रारम्भिक शिक्षा एक पादरी के संरक्षण में हुआ। इनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहने के कारण किसी विश्वविद्यालय में दाखिला नहीं पाकर एक मेडिकल स्कूल में दाखिला करा लिया और 1855 ई० उस स्कूल के उत्तीर्ण छात्रों में से प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस तरह उनकी अभिरुचि शरीर क्रिया विज्ञान की ओर बढ़ गया। 1858 ई० में इन्होंने अपनी सबसे पहली पुस्तक 'Physiological Psychology' का प्रकाशन कराया। 1864 ई० में हेडिलबर्ग विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर कार्य प्रारम्भ कर दिया। यहीं पर उनकी मुलाकात Helmholtz से 1871 ई० में हुई। उसके बाद उनकी उनकी नियुक्ति Lipzig university के दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर पद पर हुई। यहाँ पर 1879 ई० में इन्होंने विश्व की सबसे पहली मनोविज्ञान की प्रयोगशाला स्थापित की जो Psychological Institute के नाम से जाना जाता है। मनोविज्ञान की प्रयोगशाला की स्थापना के पश्चात उनसे बड़ी संख्या में विभिन्न देशों के छात्र उनसे दर्शनशास्त्र तथा मनोविज्ञान का प्रशिक्षण लेने आने लगे जिनमें से Kraeplin, Lehmann, Cattell, Hull, Titchner, Spearman इत्यादि प्रमुख थे। Wundt को प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के संस्थापक होने के साथ-साथ संरचनात्मक मनोविज्ञान का अग्रगामी माना जाता है क्योंकि अमेरिका में यह प्रसिद्ध हो चुका था कि Wundt ही संरचनात्मक मनोविज्ञान के अग्रगामी थे और उनके शिष्य Titchner ने Wundt के विचारों को विस्तृत रूप से प्रस्तुत करके 1898 ई० संरचनात्मक मनोविज्ञान की स्थापना की। 1920 ई० में Wundt की मृत्यु हो गयी।

Wundt प्रयोगवादी होने के साथ-साथ एक

SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA

दार्शनिक भी थे। इस अपना इन्होंने दर्शनशास्त्र के विभिन्न सामग्री का अवलोकन करते हुए सिद्धांतों का निर्माण किया और अपने प्रयोगों के आधार पर नये-नये तथ्यों का प्रतिपादन किया। इस सम्बन्ध में Boring ने लिखा है — "He was an experimentalist; but his experimentalism was by the product of his philosophical views!"

इस तरह Wundt के मनोविज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदानों को दो भागों में बाँटकर अध्ययन किया जाता है —

(1) वुन्ट एक व्यवस्थित मनोवैज्ञानिक के रूप में।

(2) वुन्ट (Wundt) एक प्रयोगवादी के रूप में।

उपर्युक्त दोनों भागों की संक्षिप्त व्याख्या इस प्रकार है —

(1) Wundt एक व्यवस्थित मनोवैज्ञानिक के रूप में:—

Wundt का मनोविज्ञान के क्षेत्र में सबसे प्रमुख स्थान है। Wundt ने ही मनोविज्ञान को स्वतंत्र तथा प्रयोगात्मक मनोविज्ञान का दर्जा दिलाने का महत्वपूर्ण प्रयास किया है और यह तथ्य उनकी पुस्तक 'Outline of Psychology (1886)' के अध्ययन से स्पष्ट रूप से पता चलता है। इस पुस्तक में उन्होंने स्वतंत्र मनोविज्ञान के निम्नांकित मौलिक तथ्यों का उल्लेख किया है:—

(a) मनोविज्ञान की परिभाषा एवं विषय-वस्तु :—

Wundt मनोविज्ञान को अनुभव का विज्ञान मानते हैं। इन्होंने अनुभव को दो वर्गों में विभाजित किया है — पहला है तात्कालिक अनुभव एवं दूसरा मध्यवर्ती अनुभव। तात्कालिक अनुभव से तात्पर्य स्वयं की अनुभूति से है जबकि मध्यवर्ती अनुभव तात्पर्य वैसी अनुभूति से है जिसके सहारे अन्य किसी वस्तु की विशेषता का निर्धारण [illegible] है। Wundt ने तात्कालिक अनुभव या

SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA

जीवन अनुभव के दो तत्वों का उल्लेख किया है जिसमें संवेदन एवं भाव कहा जाता है। संवेदन को उन्होंने जीवन का वस्तुनिष्ठ तत्व माना है और भाव को जीवन का आत्मनिष्ठ तत्व माना है। ज्ञानेन्द्रियों के द्वारों के ~~[illegible]~~ उत्पन्न होने से वस्तुओं का संवेदन होता है। भाव के तत्व किसी एक ज्ञानेन्द्रिय से उत्पन्न नहीं होता है। Wundt ने भाव को तीन विमाओं में विभाजित किया है जैसे सुख-दुःख (Pleasant-unpleasant), तनाव-शिथिलता (tense-relaxed) तथा उत्तेजन-शांत (excitment-calm) कहते हैं। Wundt का ऐसा विचार था कि प्रत्येक जीवन भाव को इन त्रिविमीय स्थान में व्यवस्थित किया जा सकता है। Wundt के भाव के सम्बन्ध में इस विचार को भाव का त्रिविमीय सिद्धांत कहा जाता है। बाद में Wundt ने अपनी पुस्तक 'Physiological Psychology' (1902-1903) के पाँचवें संस्करण में भावना के त्रिविमीय सिद्धांत में एक नया concept अतिबोध (apperception) के नियम को शामिल किया। Apperception एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी मानसिक विषय की पहचान अथवा स्पष्ट ज्ञान होता है। Wundt ने यह दावा किया कि कोई भी मौलिक उद्दीपन हमारे अनुभव में अकेला नहीं आता है बल्कि वह एक उत्तेजक पुंज में रहता है और हम उसमें से सार्थक विषय को चुनते हैं।

(ii) सम्बन्ध के नियम (Principle of connection)

Wundt ने जीवन अनुभव के विभिन्न तत्वों का उल्लेख किया है। इन्होंने यह बतलाया है कि जीवन अनुभव के विभिन्न तत्व किस प्रकार संयोजित हो जाते हैं और वे कौन-कौन से नियम हैं जिनसे इन तत्वों का संयोजन होता है। इन्होंने अपने विभिन्न प्रयोगात्मक अध्ययनों के आधार पर यह बतलाया कि जीवन के तत्व धारणाओं के माध्यम से संयोजित हो जाते हैं। तत्वों का जीवन संयोजन अधिक भी हो सकता है या एक साथ भी हो सकता है

SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA

इसलिए Wundt के मनोवादी विज्ञान को तत्त्ववादी विज्ञान भी कहा जाता है। साहचर्य में आत्मसात्करण (assimilation) तथा जटिलता (Complication) दोनों ही सम्मिलित होते हैं। आत्मसात्करण में समानता या विरोध के आधार पर तत्वों का साहचर्य स्थापित होता है। जैसे - दो बड़े वस्तुओं के बीच यदि एक छोटा वस्तु रहता है तो उस छोटे वस्तु की ऊँचाई उसके वास्तविक ऊँचाई से कम दिखलाई देती है। यहाँ प्रतिरोध द्वारा दृष्टि संवेदनाओं का आत्मसात्करण हो रहा है। जटिलता से तात्पर्य विभिन्न ज्ञानेन्द्रियों जैसे - आँख, कान से प्राप्त संवेदनों के साहचर्य स्थापित से होता है। Wundt ने साहचर्य द्वारा तत्वों के संयोजन की व्याख्या संश्लेषण के नियम के आधार पर किया है। बाद में Titchner ने Wundt के इस नियम की विस्तृत व्याख्या की।

(iii) मनोविज्ञान की विधि (Method of Psychology)

Wundt ने चेतन अनुभव या तात्कालिक अनुभव के अध्ययन की उपयुक्त विधि प्रयोग तथा अन्तःनिरीक्षण को बतलाया है। Wundt ने यह बतलाया कि मनोविज्ञान की अन्तःनिरीक्षण विधि ही ऐसी विधि है जिसके द्वारा व्यक्ति चेतन अनुभव का विश्लेषण यह जानने के लिए करता है कि इसके कौन-कौन से तत्व संश्लेषित होकर अनुभव का निर्माण करते हैं। Wundt ने अन्तःनिरीक्षण विधि को केवल आत्मप्रेक्षण विधि के रूप में स्वीकार नहीं किया बल्कि उनके इसका तात्पर्य एक ऐसे नियंत्रित प्रेक्षण से था जो प्रयोगात्मक आधार पर किये जाते हैं। इस प्रकार अन्तःनिरीक्षण एक प्रकार का प्रयोगात्मक अन्तःनिरीक्षण था। इन्होंने अन्तःनिरीक्षण तथा प्रयोग को एक दूसरे से अलग नहीं किया है।

(iv) मन-शरीर समस्या (Mind-Body Problem)

Wundt ने

मन तथा शरीर की एक दूसरे से समानान्तर चलाया। लेकिन उन्होंने कहा कि वे एक दूसरे के साथ अन्तःक्रिया नहीं करते हैं। इसे मनोदैहिक समानान्तरवाद की संज्ञा दी गई है। इस तरह Wundt के अनुसार मन शरीर पर आधारित नहीं होता है और मन का अध्ययन प्रत्यक्ष रूप से किया जा सकता है। तात्पर्य यही था कि Wundt ने माध्यवर्ती अनुभव तथा तात्कालिक अनुभव के बीच अन्तर बतलाया था क्योंकि माध्यवर्ती अनुभव दैहिक होता है जबकि तात्कालिक अनुभव मानसिक होता है।

(V) समप्रत्यक्षण या आत्मबोध (Apperception)

Wundt द्वारा प्रतिपादित समप्रत्यक्षण का concept से तात्पर्य स्पष्ट प्रत्यक्षण या स्पष्ट चेतना से है। Boring (1950) ने स्पष्ट रूप से बतलाया कि Wundt के Apperception के तीन महत्त्वपूर्ण पहलू हैं – समप्रत्यक्षण एक घटना है, समप्रत्यक्षण एक भाव है तथा समप्रत्यक्षण एक क्रिया है। Wundt ने यह बतलाया कि समप्रत्यक्षण का स्वरूप विश्लेषणात्मक होता है। जैसे- एक प्रकार का विश्लेषणात्मक समप्रत्यक्षण है क्योंकि इसके द्वारा चेतना के अन्तर्वस्तु की आसानी से अलग किया जाता है।

इस तरह Wundt का आधुनिक मनोविज्ञान का स्वरूप संवेदनवादी, परमाणुवादी, विश्लेषणवादी, साहचर्यवादी, अन्तःनिरीक्षणवादी, प्रयोगात्मक एवं संरचनावादी था। Wundt का मनोविज्ञान संवेदनवादी इसलिए माना जाता था क्योंकि उन्होंने सम्पूर्ण अनुभव को संवेदन से ही उत्पन्न माना। इनका मनोविज्ञान परमाणुवादी था क्योंकि मनोविज्ञान की विषय वस्तु चेतन अनुभव की जटिल संरचना प्रमुख दो तत्वों - संवेदन एवं भाव के योग से होती है। Wundt के मनोविज्ञान का लक्ष्य चेतन अनुभव का विश्लेषण करके उनके तत्वों की पहचान

था। Wundt का मनोविज्ञान संरचनावादी भी था क्योंकि- चेतन अनुभूति के दोनों तत्वों को जोड़ने का काम साहचर्य के द्वारा होता था। इन्होंने अन्तःनिरीक्षण विधि को मनोविज्ञान के अध्ययन विधि के रूप में स्वीकार किया। इसलिए ये अन्तःनिरीक्षणवादी भी थे। Wundt प्रयोगात्मकवादी भी थे क्योंकि- इन्होंने चेतन अनुभूति- का अध्ययन प्रयोग के माध्यम से करने पर जोर दिया। Wundt संरचनावादी भी माने जाते थे क्योंकि- इनके मनोविज्ञान का मुख्य उद्देश्य चेतन अनुभूति के संरचना के तत्वों का खोज करना था।

② प्रथम एक प्रयोगकर्ता के रूप में -

आधुनिक- प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के संस्थापक के रूप में Wundt का एक महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है और इन्होंने ही मनोविज्ञान में प्रयोगों की शुरुआत की। Wundt ने दृष्टि तथा श्रवण दोनों से सम्बन्धित कार्यों प्रयोग किये। इन्होंने प्रतिक्रिया काल, ध्यान विस्तार, ध्यान विचलन, भावना तथा साहचर्य से सम्बन्धित कार्यों- प्रयोगात्मक अध्ययन किये। इस तरह मनोविज्ञान के क्षेत्र में एक प्रयोगकर्ता के रूप में Wundt का एक महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

इस तरह मनोविज्ञान के विकास में Wundt के उपर्युक्त योगदानों को देखने से यह पता चलता है कि इन्होंने प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के विकास में काफी महत्वपूर्ण कार्य किये हैं और इनका मनोविज्ञान मुख्य रूप से शरीरक्रिया विज्ञान पर आधारित रहा है।

लेकिन आलोचकों ने Wundt के मुख्यतः से दो सिद्धान्तों- भावना का त्रिविमीय सिद्धान्त एवं अन्तःनिरीक्षण विधि की कटु आलोचना की है। फिर भी इन आलोचनाओं के [illegible] क्षेत्र में Wundt के विभिन्न योगदानों

SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA

का मुकाबला नहीं था। पहला "प्रयोग" [illegible] मनोविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में काफी प्रयोगात्मक अध्ययन किये हैं। 18[illegible] [illegible] पहले से ही मनोविज्ञान को आधुनिक रूप प्रदान करने में Wundt का योगदान काफी महत्वपूर्ण है। Murphy (1949) ने Wundt के पहले और बाद के मनोविज्ञान की स्थिति की तुलना इन शब्दों में व्यक्त की है —

"Before Wundt published Physiological Psychology and established his laboratory, Psychology was little more than a waif knocking now at the door of physiology, now at the door of ethics, now at the door of epistemology. In 1879 it is set up as an experimental science with a local habitation and a name."

Murphy: An Historical Introduction of Modern Psychology, 1949, P. 119

—— x —— x ——

SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA